

## Cochin Port

67. **Shri A. K. Gopalan:**  
**Shri P. Kunhan:**  
**Shri Imbichibava:**

Will the Minister of **Transport, Aviation, Shipping and Tourism** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that many ocean marine ships are diverted from Cochin Port for want of channel depth;

(b) the number of dredgers in Cochin Port for clearing the channels and the number of years these dredgers are working in this Port;

(c) whether it is also a fact that channel clearing work in the Port has been sizeably increased since the opening of oil tanker berth;

(d) whether the Port authorities have demanded additional dredgers for the port; and

(e) if so, the action taken in the matter?\*

**The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy):** (a) to (e). The Cochin Port has a suction dredger and a bucket dredger and these have been working at the Port for over 20 years now. Dredging commitments at the Port have increased since the opening of the oil tanker berth because additional dredging is required in the channel and in the turning basin. The Port authorities have proposed the purchase of two new dredgers. The Port Trust have been authorised to invite tenders for one of these dredgers. As regards the other dredger, the specifications are being drawn up by a Committee of technical experts and procurement action will be initiated as soon as the specifications have been finalised. No ships have been diverted from Cochin Port for want of channel depth.

## दिल्ली में राशन के घाटे में कीड़े

68. श्री यशपाल त्रिहः  
 श्री श्रीकार लाल बेरवा :  
 श्री बी० चं० शर्मा :  
 श्री हकम चन्द कछवाय :  
 श्री प्र० चं० बरूआ :  
 श्री बड़े :

क्या खाद्य, कृषि, सानुवायिक विकास तथा सहकार मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को हाल ही में शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि राजधानी में राशन की दुकानों से दिये गये घाटे में कीड़े हैं ; और

(ख) यदि हां, तो सरकार ने इस बारे में क्या कार्यवाही की है ?

खाद्य, कृषि, सानुवायिक विकास तथा सहकार मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री गोविन्द मैनन): (क) मुख्य नियन्त्रक राशनिंग, दिल्ली को केवल तीन शिकायतें मिली थीं ।

(ख) राशनिंग स्टाफ ने इन शिकायतों की छानबीन की और यह मालूम हुआ कि एक मामले में उपभोक्ता द्वारा अपने घर में खराब डंग से घाटा रखने के कारण घाटे में कीड़े पैदा हो गये थे, दूसरे मामले में सबमिथत दुकान पर घाटे की दो बोरियों में प्रति बोरी एक एक कीड़ा पाया गया जो कि स्पष्टतया दुकान में अन्य कहीं से आया होगा और तीसरे मामले में शिकायत निराधार पायी गयी ।

मिलों और गोदामों पर किस्म की सावधानी से जांच पड़ताल की जाती है और राशन की दुकानों पर घाटा देने समय घाटे में किसी कीड़े अथवा घन होने के बारे में अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं की गयी है ।